आईआईटी भुवनेश्वर का नौवां स्थापना दिवस मना

भुवनेश्वर : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (आईआईटी) भुवनेश्वर का नौवा स्थापना दिवस रविवार को मनाया गया। केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधान ने राज्य में अपार प्राकृतिक संपदा की मौजूदगी का हवाला देते हुए कहा कि विद्यार्थी बड़े सपने देखें और नए प्रयोग करें और अपनी ताकत का इस्तेमाल इस तरह करें, जिससे राज्य और देश को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि आईआईटी, भुवनेश्वर जैसे संस्थान नेतृत्व लेने की चुनौतियां स्वीकारें तो संस्कृति और विरासत का धनी ओडिशा जैसा राज्य विश्व के किसी भी देश से आगे बढ़ सकता है। नाइजर के निदेशक प्रो वी चंद्रशेखर ने सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर स्थापना पर व्याख्यान दिया। समारोह में स्वागत भाषण देते हुए आईआईटी के निदेशक प्रो आरवी राजा कुमार ने संस्थान को हर संभव सहयोग के लिए केन्द्रीय मंत्री प्रधान के प्रति आभार व्यक्त किया। केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री प्रकाश

जावडेकर ने भी मुख्य अतिथि से फोन पर बात करते हुए आईआईटी के विद्यार्थियों, फैकल्टी और स्टाफ को स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर अभिनव शिक्षा और शोध के क्षेत्र में योगदान के लिए फैकल्टी सदस्यों को मुख्य अतिथि ने उत्कृष्टता अवार्ड प्रदान किया। उत्कृष्टता अवार्ड पाने वालों में स्कूल आफ मेकेनिकल साइंसेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डा योगेश गनपत भोमकर, स्कूल आफ मेकेनिकल साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर डा मिहिर पंडित, स्कूल आफ इन्फ्रास्ट्रक्चर के असिस्टेंट प्रोफेसर डा अरिंदम सरकार और स्कूल आफ ह्यूमनीटीज, सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट की एडजंक्ट फैकल्टी पद्मश्री डा कुमकुम मोहंती शामिल हैं। अपने स्थापना दिवस व्याख्यान में सम्मानित अतिथि प्रो वी चंद्रशेखर ने डा सीवी रमन की खोज रमन इफेक्ट के बारे में जानकारी दी, जिसके लिए उन्हें नोबल पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार पाने वाले डा सीवी रमन पहले भारतीय और एशियायी थे। इस अवसर पर उन्होंने देश को प्रो सीवी रमन के दिए संदेश को याद कराया। नाइजर, एम्स, आईओपी, आईआईएम, आईएलएस, सीईटी समेत राष्ट्रीय स्तर के राज्य के कई संस्थानों के मुख्य इस कार्यक्रम में शामिल हुए। छात्र मामलों के डीन प्रो वीआर पेडेरेड्डी ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर संस्थान की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम रिपक मकेय पेश किया गया।